

## विवरणिका

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	<p>भारतीय समाज</p> <p>समाज क्या है?</p> <p>परम्परागत भारतीय समाज की विशिष्ट विशेषताएँ</p> <p>समकालीन भारतीय समाज की विशेषताएँ</p> <p>भारतीय सामाजिक संस्थाएँ</p>	1
2.	भारतीय समाज में विविधता	38
3.	<p>भूमंडलीकरण का भारतीय समाज पर प्रभाव</p> <p>भूमण्डलीकरण के विभिन्न आयाम</p> <p>भूमंडलीकरण और संस्कृति</p> <p>परम्परा और आधुनिकता</p> <p>आधुनिकता</p> <p>आधुनिकीकरण और सामाजिक परिवर्तन</p>	49
4.	<p>जनसंख्या एवं संबंधित मुद्दे</p> <p>जनसांख्यिकी संबंधी कुछ सिद्धांत एवं संकल्पनाएँ</p> <p>जनसंख्या 2011 (अंतिम आंकड़े)</p> <p>जनसंख्या से लाभांश</p> <p>मानव संसाधन जनसांख्यिकीय भाज्य</p> <p>जनसंख्या वृद्धि: समस्या और निदान</p> <p>परिवार नियोजन तथा जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम</p> <p>जनगणना-2011: एक विश्लेषण</p> <p>आर्थिक विकास में मानव पूंजी</p>	76

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
5.	<p>निर्धनता एवं संबंधित विषय</p> <p>निर्धनता</p> <p>निर्धनता आकलन के मापदण्ड</p> <p>गरीबी और बी.पी.एल. परिवारों का आकलन करने के लिए विशेषज्ञ समूह</p> <p>गरीबी अनुपात</p> <p>गरीबी के कारण</p> <p>निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम</p> <p>बेरोजगारी</p> <p>गरीबी-उन्मूलन और रोजगार-सृजन कार्यक्रम</p> <p>महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण विकास गारंटी स्कीम (मनरेगा)</p> <p>स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY)</p> <p>स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना (SJSRY)</p> <p>राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन</p> <p>राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन</p> <p>उत्तर-पूर्व ग्रामीण आजीविका परियोजना</p> <p>प्राइम मिनिस्टर एम्प्लवायमेंट जेनेरेसन प्रोग्राम (PMEGP)</p> <p>हिमायत योजना</p> <p>युवा रोजगार उन्मुख कुशलता परियोजना (YEES)</p> <p>प्राइम मिनिस्टर एम्प्लवायमेंट जेनेरेसन प्रोग्राम (PMEGP)</p> <p>भारत में प्रवसन</p> <p>खाद्य सुरक्षा</p>	99
6.	<p>शहरीकरण</p> <p>वर्ष 2011 की जनगणना से मिले शहरीकरण के रुझान</p> <p>शहरीकरण का भारतीय समाज पर प्रभाव</p> <p>शहरीकरण से समस्याएं</p> <p>शहरी समस्याओं को हल करने के लिए कुछ प्रयास</p> <p>जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन</p> <p>शहरों में जमीन तथा आवास से संबंधित सामाजिक कानूनीकरण</p> <p>स्मार्ट सिटी की अवधारणा एवं नगर नियोजन (साभार-योजना)</p>	130
7.	<p>सामाजिक सशक्तिकरण</p> <p>समावेशी विकास</p> <p>भागीदारी</p> <p>सूचनाओं तक पहुंच</p> <p>जवाबदेहिता</p> <p>स्थानीय स्वशासन एवं सांगठनिक क्षमता का विकास</p>	155

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
8.	क्षेत्रीयतावाद क्षेत्रीयतावाद का अर्थ क्षेत्रवाद के कारण भारतीय राजनीति में क्षेत्रीयता का स्वरूप क्षेत्रवाद के दुष्परिणाम क्षेत्रीयतावाद को रोकने के उपाय	159
9.	साम्प्रदायिकता सांप्रदायिकता और सांप्रदायिक हिंसा के बीच अंतर सांप्रदायिकता और धर्म सांप्रदायिकता और भारतीय संस्कृति साम्प्रदायिकता के कारण साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम साम्प्रदायिकता को दूर करने हेतु सुझाव	167
10.	धर्मनिरपेक्षता धर्म-निरपेक्षता का अर्थ धर्मनिरपेक्ष राज्य भारत में धर्म-निरपेक्षता भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता “धार्मिक स्वतंत्रता एवं धर्मपरिवर्तन-भारत के विशेष संदर्भ में” धर्म परिवर्तन और वैश्वीकरण वैश्वीकरण और धर्मनिरपेक्षता धर्मनिरपेक्षता और समावेशी समाज भारतीय धर्मनिरपेक्षता की आलोचनाएँ	183
11.	महिला संबंधी मुद्दे महिला असमानता की रूपरेखा महिलाओं के विरुद्ध हिंसा भारत में महिला असुरक्षा महिला सशक्तिकरण पंचायती राज एवं महिला सशक्तिकरण महिलाएं एवं स्वयं सहायता समूह महिलाओं की संवैधानिक एवं विधिक स्थिति महिला सशक्तिकरण हेतु कार्यक्रम महिला संरक्षण एवं सुरक्षा हेतु विभिन्न अधिनियम महिलाओं के संरक्षण एवं विकास के लिए गठित संस्थान एवं निकाय ही फॉर शी ऑनर कीलिंग सहजीवन के सामाजिक सरोकार सरोगेसी	204

# पाठ्यक्रम

## सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-1

भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता।  
महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं सम्बद्ध मुद्दे,  
गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके रक्षोपाय।  
भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।  
सामाजिक सशक्तिकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।

## सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-2

केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों ( महिला ) के लिए  
कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य निष्पादन इन अति संवेदनशील  
वर्गों ( महिला ) की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।